नामांक Roll No.

Sl.No. :

No. of Questions – 20

No. of Printed Pages – 7

VU–45–Shukla Yajurved

वरिष्ठ उपाध्याय परीक्षा, 2023

VARISHTHA UPADHYAYA EXAMINATION, 2023

शुक्ल यजुर्वेद

समय : 3 **घण्टे** 15 **मिनिट**

पूर्णांक : 56

परीक्षार्थिभ्यः सामान्यनिर्देशाः

1) परीक्षार्थिभिः सर्वप्रथमं स्वप्रश्नपत्रोपरि नामांङ्काः अनिवार्यतः लेख्याः।

2) **सर्वे** प्रश्नाः अनिवार्याः।

3) सर्वेषां प्रश्नानामुत्तराण्युत्तरपुस्तिकायामेव लेखनीयानि।

4) एकस्य प्रश्नस्य सर्वे भागाः एकत्र एव लेखनीया।

5) सर्वे प्रश्नाः संस्कृतमाध्यमेन उत्तरणीयाः।

यहाँ से काटिए

प्रश्न पत्र को खोलने के लिए यहाँ फाड़ें

यहाँ से काटिए

खण्ड–अ

1) वस्तुनिष्ठ प्रश्ना :–

i) आध्वर्यव कर्म सम्पादनाय मन्त्रा: संकलिता: सन्ति – [1]

अ) यजुर्वेदे   ब) सामवेदे

स) अथर्ववेदे   द) ऋग्वेदे

ii) गावो रम्भन्ति – [1]

अ) गान्धारम्   ब) पंचमम्

स) मध्यमम्   द) धैवतम्

iii) विवाहे लक्ष्मीरूपेण अवतिष्ठति – [1]

अ) माता   ब) कन्या

स) वर: द) देवी

iv) श्रौतस्मार्तकर्माधिकारार्थं संस्कार: क्रीयते – [1]

अ) विवाह: ब) पुंसवनम्

स) उपनयनम्   द) जातकर्म

v) माध्यन्दिनसंहितायां अध्याया: सन्ति – [1]

अ) चत्वारिंशत्   ब) शतम्

स) नवनवति:   द) त्रिंशत्

vi) मेधाशक्त्युत्पादनाय शिष्याय भक्षणीयम् – [1]

अ) त्रिफलाम् ब) लवणम्

स) घृतम् द) पत्राणि

vii) अष्टमाध्याये मन्त्राः सन्ति – [1]

अ) पञ्चाशत् ब) त्रिषष्टिः

स) अशीतिः द) दश

viii) पलाशदण्डः विधीयते – [1]

अ) ब्राह्मणस्य ब) क्षत्रियस्य

स) वैश्यस्य द) कस्यापि न

ix) विवाहे अग्नेः किम् नाम – [1]

अ) वरद ब) समुद्भव

स) मृड द) योजक

2) रिक्तस्थानानि पूरयत –

i) घृतं ....पावानः [1]

ii) ओषधे .... सीः। [1]

iii) विद्धातोः .... प्रत्यये कृते वेदशब्दः निष्पघते। [1]

iv) ऊरूभागे .... दक्षिणम्। [1]

3) अति लघूत्तरात्मकाः प्रश्ना :–

i) त्रिस्वराणां नामानि लेख्यानि। **[1]**

ii) विवाहे अर्घ्य ग्रहण मन्त्रं लिखत। **[1]**

iii) उपनयन शब्दस्य व्युत्पत्तिं प्रदर्शयत। **[1]**

iv) वेदारम्भपूर्वं केषां पञ्चदेवानां स्मरणं कर्त्तव्यम्? **[1]**

v) मधुपर्कग्रहण मन्त्रं लिखत। **[1]**

vi) मेखलाबन्धन मन्त्रं लिखत। **[1]**

vii) वरवध्वोः मैत्रीकरण मन्त्रं लिखत। **[1]**

viii) गायत्री मन्त्रं लिखत। **[1]**

खण्ड–ब

लघूत्तरात्मकाः प्रश्ना :–

4) अग्रेणी रसि० इति मन्त्रं सस्वरं पूरयत। **[1½]**

5) उपावी रस्युप० इति मन्त्रं सस्वरं पूरयत। **[1½]**

6) सन्तेमनोमनसा० इति मन्त्रं सस्वरं पूरयत। **[1½]**

7) प्रागपागुदगधराक्० इति मन्त्रं सस्वरं पूरयत। **[1½]**

8) आवायोभूषशुचिपा० इति मन्त्रं सस्वरं पूरयत। [1½]

9) येदेवासो० इति मन्त्रं सस्वरं पूरयत। [1½]

10) चित्रन्देवानामुदगा० इति मन्त्रं सस्वरं पूरयत। [1½]

11) देवागातु विदो० इति मन्त्रं सस्वरं पूरयत। [1½]

12) आजिघ्रकलशं० इति मन्त्रं सस्वरं पूरयत। [1½]

13) आयुर्यज्ञेनकल्पताम्० इति मन्त्रं सस्वरं पूरयत। [1½]

14) कति हस्त दोषाः? नामानि लेख्यानि। [1½]

15) वर्णोच्चारणविधिं निर्दिशत। [1½]

खण्ड–स

दीर्घोत्तरीया: प्रश्ना:

16) यथाविहित वर्णोच्चारणे के दोषा: समापतन्ति? **[3]**

अथवा

कतिविधा ऊष्मा भवति?

17) अभ्यातान होमस्य केचन त्रीन् मन्त्रान् लिखत। **[3]**

अथवा

यज्ञोपवीत तन्तु–ग्रन्थि देवानां स्थापनक्रमं लिखत।

18) विवृत्ते: कति भेदा: भवन्ति? **[3]**

अथवा

कति रंगा: प्रवर्तन्ते? के च ते।

खण्ड–द

निबंधात्मका: प्रश्ना:

19) निम्नांकितेषु केचन चत्वारो मन्त्रा: सस्वरा: पूरणीया: **[4]**

i) देवीराप:०

ii) रक्षसांभागोसि०

iii) यमग्नेपृत्सु०

iv) सुवीरोवीरान्०

v) कदाचनस्तरी०

vi) वातोवा मनो वा०

अथवा

यजुर्वेदस्य परिचयमुपस्थापयत।

20) निम्नांकितेषु केचन चत्वारो मन्त्रा: सस्वरा: पूरणीया: **[4]**

i) मनस्त आप्यायताम्०

ii) सोमराजन्०

iii) अयं वेनश्चोदयत्०

iv) अग्नेनय सुपथा०

v) प्रनोयच्छ त्वर्यमा०

vi) सवितात्त्वासवाना०

अथवा

योगीश्वर महर्षि याज्ञवल्क्यस्य परिचयो देय:।

☯☯☯☯

DO NOT WRITE ANYTHING HERE